सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 202 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 1 सितम्बर, 2022

खुद के लिए और अपनी मौजूदा स्थिति के लिए अफसोस करना न केवल उर्जा की बर्बादी है बल्कि शायद ये सबसे बुरी आदत है जो आपके अन्दर हो सकती है। -डेल कार्नेगी


पता होता राजनीति इतनी गंदी होगी... 2
प्रदेश में दरक रहे जनाधार को... 3
भाजपा मुक्त भारत की है जरूरत... 7


# तबादलों पर घिरे अमित मोहन से छीना स्वास्थ्य विभाग

## नवनीत सहगल का घटाया कद

- » स्वास्थ्य विभाग में तबादलों में गड़बड़ी को लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जताई थी नाराजगी
- » आराधना शुक्ला को भेजा गया आयुष विभाग, पार्थ सारथी सेन शर्मा को स्वास्थ्य विभाग की कमान
- » संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव गृह और सूचना विभाग की भी जिम्मेदारी 16 आईएएस के हुए ट्रांसफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 16 सीनियर आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है। तबादलों में गड़बड़ी पर घिरे अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद से स्वास्थ्य विभाग छीन लिया गया है जबकि सूचना विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल का कद घटाते हुए उनका तबादला खेलकूद विभाग में किया गया है। अपर मुख्य सचिव आराधना शुक्ला के कार्यकाल में यूपी बोर्ड का पेपर लीक होने के बाद उन्हें आयुष विभाग भेजा गया है।





**प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह प्रमुख सचिव नियुक्ति देवेश चतुर्वेदी को बुलाकर 16 सीनियर आईएएस अफसरों के तबादलों पर मुहर लगा दी। प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद को प्रमुख सचिव गृह तथा सूचना की भी जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य विभाग में तबादले को लेकर सरकारी की किरकिरी होने और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के दखल के बाद अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद को हटाया गया है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा था कि बिना उनकी जानकारी के तबादले किए गए। अमित मोहन अब, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योग के साथ खादी तथा हथकरघा विभाग देखेंगे। इनके स्थान पर केन्द्र सरकार में प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद प्रदेश लौटे प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग का काम सौंपा गया है। अपर मुख्य सचिव सूचना, खादी एवं ग्रामोद्योग व एमएसएमई का पद संभाल रहे नवनीत सहगल को अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवा कल्याण के पद पर भेजा गया है। नवनीत सहगल को अहम पदों से हटाना योगी सरकार का बड़ा फैसला है। वहीं यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा में पेपर आउट होने के बाद बलिया के डीआईओएस के साथ निदेशक माध्यमिक शिक्षा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। अब अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला को हटाकर आयुष विभाग भेज दिया गया है।

### कल्पना को बनाया गया प्रमुख सचिव राज्यपाल

कल्पना अवस्थी प्रमुख सचिव खेलकूद एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को प्रमुख सचिव राज्यपाल बनाया गया है। मुकेश कुमार मेश्राम प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग को अतिरिक्त प्रभार धर्मार्थ कार्य विभाग दिया गया है। हिमांशु कुमार प्रमुख सचिव समाज कल्याण तथा अल्पसंख्यक कल्याण को प्रमुख सचिव ग्राम विकास एवं ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग दिया गया है। डॉ. हरिओम प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग को प्रमुख सचिव समाज कल्याण विभाग दिया गया है। मोनिका एस गर्ग अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग से अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं मुस्लिम वर्ग विभाग बनाया गया है। महेश कुमार गुप्ता अपर मुख्य सचिव राज्यपाल को अपर मुख्य सचिव ऊर्जा-अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग दिया गया है।

### दागी अफसरों को मिली अहम जिम्मेदारी

आज की तबादला सूची में भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे अरविंद कुमार और सुधीर बोबड़े के नाम चौंकाने वाले हैं। अरविंद कुमार जब प्रमुख सचिव स्वास्थ्य थे तब करोड़ों के मैन पॉवर का काम नियमों को ताक पर रखकर एक कंपनी को दिया गया था। प्रमुख सचिव गृह रहते जेलों के सुधार के नाम पर बड़ी धनराशि के गोलमाल के आरोपों की चर्चा लगातार बनी रही। इसी प्रकार मायावती के सबसे करीबी अफसर सुधीर बोबड़े के भ्रष्टाचार को लेकर भी तमाम किस्से चर्चा में हैं।

### इनको भी मिला प्रभार

अरविंद कुमार स्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त को यूपीडा और उपशा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राजेश सिंह प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य को प्रमुख सचिव कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं का प्रभार दिया गया है। मनोज कुमार सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त को कृषि उत्पादन आयुक्त प्रमुख सचिव पंचायती राज एवं उद्यान खाद विभाग दिया गया है। सुधीर महादेव बोबड़े सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा विभाग दिया गया है। संजय प्रसाद प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल सूचना एवं जनसंपर्क गृह गोपन वीजा पासपोर्ट एवं सतर्कता विभाग दिया गया है। दीपक कुमार प्रमुख सचिव शिक्षा बेसिक को वर्तमान पद के साथ माध्यमिक शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

## पीएम मोदी से मिले भूपेंद्र चौधरी, चुनाव पर चर्चा

- » प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर जताया आभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात चालीस मिनट तक चली। माना जा रहा है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी और पीएम के बीच लोक सभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। चौधरी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक



दोनों के बीच करीब 40 मिनट से अधिक समय तक बातचीत चली। दोनों के बीच आगामी नगरीय निकाय चुनाव और लोक सभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। पीएम मोदी से मिलने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी गाजियाबाद पहुंचे है यहां वे बैठक करेंगे।

## दिल्ली विधान सभा में केजरीवाल का विश्वास प्रस्ताव पास

- » आम आदमी पार्टी को बताया कट्टर ईमानदार
- » भाजपा विधायकों ने किया हंगामा, विजेंद्र गुप्ता पूरे सत्र के लिए निष्कासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा में केजरीवाल सरकार का विश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से पास हो गया है। प्रस्ताव के पक्ष में मुख्यमंत्री समेत 58 सदस्य खड़े हुए जबकि विरोध में कोई नहीं खड़ा हुआ। दिल्ली विधान सभा के विशेष सत्र के पांचवें दिन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा होने लगा। विधान सभा में भ्रष्टाचार के मामले पर चर्चा करने के लिए भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता और विधान सभा उपाध्यक्ष राखी बिड़ला में जमकर बहस हुई, जिसके बाद



उपाध्यक्ष ने विजेंद्र गुप्ता को पूरे सत्र के लिए निष्कासित कर दिया।

विधान सभा उपाध्यक्ष ने हंगामा करने के चलते भाजपा के अभय वर्मा, अजय महावर, अनिल वाजपेई को पूरे दिन के लिए सदन से निकाल दिया। इसके बाद भाजपा के नेता और कार्यकर्ता दिल्ली सरकार के खिलाफ विधान सभा सदन के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। उन्होंने विधानसभा के गेट के पास दिल्ली सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतला जलाया। वहीं मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दावा किया कि मनीष सिसोदिया के पास कुछ भी नहीं मिला है। इसके बावजूद उनको गिरफ्तार किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई की रेड लगने के बाद गुजरात में आम आदमी पार्टी का 4फीसदी वोट बढ़ गया है। उनको दो बार गिरफ्तार करने के बाद गुजरात में आप की सरकार बनना तय है। आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है, उसकी सरकार भी कट्टर ईमानदार है जबकि भाजपा को उन्होंने कट्टर बेईमान पार्टी करार दिया।

# भाजपा सरकार का विकास से कोई सरोकार नहीं : अखिलेश

### » सत्ता के अहंकार में पूरी तरह डूबी है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में पूरी तरह डूबी है। विपक्ष के प्रति उसकी असहिष्णुता अब बदले की भावना में बदल गई है। भाजपा सरकार का विकास से कोई सरोकार नहीं है। समाजवादी सरकार में जनहित में हुए विकास कार्यों को भाजपा सरकार प्राथमिकता से बर्बाद करती जा रही है।**

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क, गोमती रिवरफ्रंट, 1090 चूमेन पावर लाइन, जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआइसी), कैंसर हास्पिटल, कन्नौज में इत्र पार्क, उमर्दा में काऊ मिल्क प्लांट जैसी लोक कल्याणकारी योजनाएं कार्यान्वित की गई थी। इनमें अधिकतर बर्बादी के कगार पर पहुंच गई हैं। समाजवादी सरकार के समय इजरायल के सहयोग से कन्नौज में जो एग्रीकल्चर एक्सीलेंस सेंटर बना था, वह बेकार हो रहा है। अगर भाजपा सरकार राजनीतिक विद्वेष से ऊपर उठकर इसे बजट और बिजली उपलब्ध कराती तो शिमला मिर्च, टमाटर, ब्रोकली एवं अन्य सब्जियों की पौध मिलती और किसानों की आय भी बढ़ती। उन्होंने कहा कि पता नहीं, भाजपा सरकार को कन्नौज से क्या दुश्मनी है कि वहां चल रही समाजवादी योजनाओं को बर्बाद किया जा रहा है। बता दें कि एक दिन पूर्व ही अखिलेश यादव ने भाजपा को झूठी पार्टी करार दिया था। अखिलेश ने कहा था कि कैबिनेट की ब्रीफ्रिंग से लेकर एनसीआरबी के डाटा को जनता के सामने रखने के मामले में सरकार झूठ बोल रही है। कस्टोडियल डेथ के मामले में अखिलेश ने उत्तर प्रदेश नंबर वन बताया था। इतना ही नहीं, एनसीआरबी के आंकड़ों को खारिज करते हुए अखिलेश ने कहा था कि प्रदेश में ला एंड आर्डर की व्यवस्था चरमरा गई है। महिलाओं के साथ अपराध हो रहे हैं। इतना ही नहीं, अखिलेश ने दोनों उप मुख्यमंत्रियों पर भी हमला करते हुए कहा था कि दोनों लोग झूठ बोलने के लिए ही बने हैं।

# अब थाने ही बन गए हैं अदालतः अब्दुल्ला

### » आजम खां के बेटे ने रामपुर पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रामपुर। सपा विधायक आजम खां के बेटे स्वार-टांडा विधायक अब्दुल्ला आजम ने रामपुर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ट्वीट करके कहा है कि पुलिस फर्जी मुकदमों में उनका नाम भी शामिल करने की साजिश कर रही है। ताकि उनकी आवाज को दबाया जा सके, लेकिन जब तक वह हैं तब तक लोगों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आवाजें उठाते रहेंगे।**

अब्दुल्ला आजम ने बुधवार को रामपुर पुलिस की ज्यादती को लेकर कई ट्वीट किए, जिसमें उन्होंने कहा कि धारा 144 के खिलाफ और लोगों के मुद्दों पर मैं न बोल सकूं, इसलिए फंसाने की कोशिश की जा रही है। गांव के लोगों को उठाकर अजीमनगर थाने और एक बड़े पुलिस अधिकारी के दफ्तर में ले जाकर धमकाया जा रहा है। रामपुर में अब थाने ही अदालतें बन चुके हैं। शायद रामपुर में अब न्यायिक प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं रह गया है। झूठ की उम्र ज्यादा लंबी नहीं होती है, लेकिन एक झूठ को छिपाने के लिए लाखों झूठ बोलने पड़ते हैं। लगातार रामपुर में पुलिस की जरिए लोगों को धमकाया जा रहा है कि वह आजम खां और उनके लोगों के खिलाफ धमकाने की एफआइआर लिखवाएं। पिछले दिनों आजम के खिलाफ दो मुकदमे के वादियों को धमकाने के आरोप में मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

# पता होता राजनीति इतनी गंदी होगी तो इसमें कभी नहीं आती : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्रीय एजेंसियों पर सवाल उठा दिए हैं। खास बात है कि प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से मंगलवार को अभिषेक बनर्जी को समन भेजा गया है। उन्हें कोयला घोटाला मामले में पूछताछ के लिए तलब किया गया है। सीएम बनर्जी ने एजेंसियों की तरफ से मिल रहे समन को खुली हिंसा बताया है। हाल ही में उन्होंने 2024 चुनाव को अपनी आखिरी जंग बताया था।**

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो बनर्जी ने कहा कि एजेंसी के समन केवल प्रतिशोध की राजनीति नहीं है, यह खुली हिंसा है... अगर मुझे पता होता कि राजनीति इतनी गंदी हो जाएगी, तो मैं कभी राजनीति में नहीं आती। उन्होंने दोबारा आरोप लगाए कि पशु और कोयला तस्करी के मुद्दे केंद्रीय गृहमंत्रालय और केंद्र सरकार की जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि आप हर समय सभी को बेवकूफ नहीं बना सकते... जिस तरह आप मीडिया में हमें बगैर सबूत के बदनाम कर रहे हैं, जिस तरह की भाषा का आप इस्तेमाल करते हैं और सूत्रों का हवाला देते हैं... आपको सोचना चाहिए कि अगर आपके साथ भी ऐसा ही किया जाए, तो क्या होगा...। इधर, टीएमसी के नेताओं का कहना है कि ईडी और सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी सीबीआई पार्टी कार्यक्रमों के आसपास उनके खिलाफ काम कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की तरफ से आरोप लगाए जा रहे हैं कि पशु तस्करी और कोयला घोटाला से मिला पैसा कोलकाता के कालीघाट जाता है। खास बात है कि यहां ममता बनर्जी रहती हैं और जगह काली मंदिर के लिए मशहूर है। इसपर टीएमसी सुप्रीमो ने कहा, आप आरोप लगाते हैं कि भ्रष्टाचार की कमाई कालीघाट पहुंच रही है।

# अन्ना हजारे है समाजद्रोही : उदित राज

### » अन्ना हजारे पर बिगड़े कांग्रेस नेता के बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। दिल्ली की शराब नीति को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेटर लिखने वाले समाजसेवी अन्ना हजारे को जहां अब आम आदमी पार्टी (आप) के नेता परोक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मिले हुए बता रहे हैं तो कांग्रेस नेता उदित राज के भी बोल बिगड़ गए हैं। यूपीए-2 सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाने वाले अन्ना हजारे को पूर्व सांसद ने समाजद्रोही, महाधूर्त और बेईमान तक कह डाला है। उदित राज ने अपने ट्विटर हैंडल पर अन्ना पर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने यहां तक कहा कि वह समाजसेवी नहीं बल्कि समाज द्रोही हैं और बेईमान हैं। उदित राज ने ट्वीट किया कि अन्ना हजारे महाधूर्त आदमी है। पहले के उठाए भृष्टाचार एक न साबित हुए। क्या हुआ लोकपाल का? इससे पहले एक अन्य ट्वीट में लिखा, अन्ना हजारे समाज सेवी नहीं समाज द्रोही हैं।**

# सपा नेताओं को देनी होगी 2.20 करोड़ क्षतिपूर्ति

### » जमीन पर कब्जे के मामले में अपील खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। एटा में सपा नेता पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव और उनके भाई पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव ने रोडवेज बस स्टैंड के सामने एक पेट्रोल पंप की जमीन पर कब्जा कर लिया। इस जमीन पर अपना मालिकाना हक जताने लगे। इसका विवाद कई साल तक अदालत में चला। पेट्रोलियम कंपनी के पक्ष में आए सिविल जज के आदेश के खिलाफ सपा नेताओं ने अपील की। जिला न्यायालय में उनकी अपील खारिज कर दी गई।**

पेट्रोलियम कंपनी की करीब 2.20 करोड़ रुपये मुआवजे (क्षतिपूर्ति) की मांग को स्वीकृत किया गया है। भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के एक अधिकारी ने सिविल जज (सीनियर डिविजन) न्यायालय में वाद दायर किया था। बताया कि रोडवेज बस स्टैंड के सामने शंकरलाल ने अपनी जमीन का पट्टा 1992 में 30 साल के लिए कंपनी को किया था। इसमें कंपनी का पेट्रोल पंप चलता था। पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव की पत्नी राममूर्ति के नाम 1992 में ही एक बैनामा दिखाकर इस जमीन पर 2004 में कब्जा कर लिया गया। अदालत में चली सुनवाई के दौरान राममूर्ति पक्ष अपने हक में पर्याप्त सबूत प्रस्तुत नहीं कर सके। जिस पर पेट्रोलियम कंपनी का दावा सही मानते हुए जमीन का कब्जा उन्हें दिलाने का आदेश न्यायालय ने 27 फरवरी 2020 को दिया। इसमें पेट्रोलियम कंपनी ने मुआवजे के तौर पर 22 लाख रुपये प्रति साल और सात प्रतिशत ब्याज भी मांगा, जिसे न्यायालय ने स्वीकृत किया।

# गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे कराएगी यूपी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। मदरसा बोर्ड के चार महत्वपूर्ण प्रस्तावों को शासन ने मंजूरी देते हुए आदेश जारी कर दिया है। अब राज्य अनुदानित मदरसों में शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के परस्पर स्थानांतरण हो सकेंगे। इसके अलावा शिक्षिकाओं को मातृत्व एवं बाल्य देखभाल अवकाश भी मिलेगा। उप्र मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह के मुताबिक शासन ने आदेश जारी किया है कि राज्य के अनुदानित मदरसों के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का अब आपसी सहमति से तबादला हो सकेगा।**

इसके लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा अपनी संस्तुति सहित आवेदन को दो माह के भीतर रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड को प्रस्ताव भेजना होगा। रजिस्ट्रार एक माह के भीतर परीक्षण कर इस पर निर्णय लेंगे। इसके अलावा अगर कहीं प्रबंध समिति विवादित है तो वहां मृतक आश्रित की नियुक्ति के आदेश जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी व प्रधानाचार्य के माध्यम से जारी हो सकेंगे। इसे समिति विवाद की स्थिति में रोका नहीं जाएगा। अनुदानित मदरसों में कार्यरत शिक्षिकाओं व अन्य महिला कर्मचारियों के लिए भी अच्छी खबर है।

# प्रदेश में दरक रहे जनाधार को वापस पाने के लिए मायावती ने बनाया नया प्लान

» मेयर चुनाव में बसपा लगा सकती है पूर्व सांसदों-विधायकों पर दांव

» लोक सभा चुनाव के पहले कोर वोटरों तक पहुंचने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कई चुनावों में करारी शिकस्त के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने प्रदेश में अपने दरकते जनाधार को वापस पाने के लिए नयी रणनीति बनायी है। बसपा निकाय चुनाव में नया दांव चलने जा रही है। लोक सभा चुनाव के पहले बसपा मेयर के चुनाव में पूर्व सांसदों और विधायकों पर दांव लगाने की तैयारी कर रही है। पार्टी का मानना है कि इससे प्रदेश में पार्टी अपने खोए जनाधार को वापस पाने में सफल हो सकती है।

बसपा प्रमुख मायावती आने वाले निकाय चुनाव में नया दांव आजमा सकती हैं। वे चाहती हैं कि निकाय चुनाव होने वाली मेहनत से मिलने वाली संजीवनी लोक सभा चुनाव में काम आए इसीलिए मेयर चुनाव में पूर्व सांसदों और विधायकों पर दांव लगाने पर मंथन चल रहा है। बसपा को भरोसा है कि इससे यूपी में दरक रहे जनाधार को फिर से कायम कर चुनावों में अपेक्षाकृत सफलता न मिलने से आई कमजोरी को 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले दूर किया जा सकेगा।

अनुसूचित जाति और जनजाति के सहारे यूपी में राजनीति करने वाली बसपा के पिछले कुछ चुनावी नतीजों से साफ है कि उसका जनाधार खिसक रहा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में हुए विधान सभा चुनाव में बसपा को मिली सीटों से लगाया जा सकता है। इस चुनाव में बसपा को मात्र एक सीट रसड़ा बलिया के रूप में मिली। बसपा प्रमुख इस जनाधार को वापस पाने के लिए संगठन को नए सिरे से दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं। सदस्यता अभियान भी चला रही हैं। निकाय चुनाव मजबूती से लड़ने की पीछे भी यही वजह है।

## मांगी गयी रिपोर्ट

बसपा प्रदेश की 17 सीटों पर मेयर चुनाव के लिए मजबूत उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सेक्टर प्रभारियों से रिपोर्ट भी मांगी गई है। पूछा गया है कि उनके यहां ऐसे कितने नेता हैं, जो मेयर का चुनाव लड़ना चाहते हैं। बसपा सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारी तय की जाएगी। निकाय चुनाव में बेहतर रिजल्ट देने वाले की लोक सभा चुनाव में टिकट के लिए दावेदारी मजबूत होगी।

## जमीन होगी तैयार

बसपा को वर्ष 2017 के निकाय चुनाव में अप्रत्याशित जीत मिली थी। अलीगढ़ में फुरकान और मेरठ में सुनीता वर्मा चुनाव जीती और सहारनपुर में बसपा ने भाजपा को करारी टक्कर दी। भाजपा को यहां 121179 वोट मिले और बसपा को 119193 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रही इसीलिए बसपा पिछली बार की अपेक्षा इस बार और मजबूत रणनीति पर काम कर रही है।

## मेयर की सीट अहम

निकाय चुनाव में मेयर की सीट काफी महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। सांसदी चुनाव के बराबर मतदाता एक मेयर को चुनते हैं इसीलिए पार्टियां इस चुनाव को प्रतिष्ठा का चुनाव मानती हैं।

# यूपी में बाढ़ का कहर, दौरे पर मुख्यमंत्री

## 22 जिले बाढ़ प्रभावित, सरकार कर रही हरसंभव सहायता

» बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से गांव के लोगों का पलायन जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के कई जिलों में बाढ़ के कहर को देखते हुए प्रदेश के 22 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित कर दिया गया है। इन जिलों में बाढ़ से हाहाकार की स्थिति है। बाढ़ के कारण अब तक हजारों हेक्टेयर फसलें प्रभावित हो चुकी हैं और जनजीवन अस्तव्यस्त है। बाढ़ प्रभावित जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों का पलायन जारी है। लोग गांव से सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है कि बाढ़ पीड़ितों को हर सुविधा मुहैया कराई जाए। किसी को भी भूखा न रखा जाए। नहीं तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा किया और स्थिति का आकलन किया। गाजीपुर और चंदौली जिले का हवाई सर्वेक्षण किया। साथ ही बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरित की। अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में गंगा, यमुना, बेतवा और चंबल नदियों का जलस्तर बढ़ जाने से कई जिलों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों की तरफ पलायन करना पड़ रहा है और अब तक हजारों बीघा फसल जलमग्न हो चुकी है। प्रशासन हाई अलर्ट पर है लोगों को राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

### नदी लाल निशान के ऊपर

एल्गिन ब्रिज पर बने कंट्रोल रूम के अनुसार, नेपाल द्वारा शारदा बैराज से एक लाख 46 हजार तथा गिरजा बैराज से एक लाख 42 हजार क्यूसेक पानी मंगलवार को सरयू नदी में छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर लाल निशान को पार कर गया है। पानी गांवों की ओर तेजी से बढ़ता देख लोग सुरक्षित स्थानों के लिए निकल पड़े हैं। वहीं मसीना भंवर की चपेट में आकर तेलवारी गांव के नोखई और श्रीराम के मकान नदी की धारा में समा गए हैं। इसके अलावा सनावा, कहारन पुरवा, तेलवारी, कोठी डीहा, टेपरा, बघौलीपुरवा, सरायसुर्जन, गोबरहा, बेहटा, परसवाल, मंझारायपुर, बबुरी, घुंटरू, सरदाहा, भयकपुरवा, इटहुआपूर्व आदि कई गांवों के लोगों में बाढ़ को लेकर दहशत फैल गई है। गांव की ओर पानी आता देख स्थानीय लोगों ने गांव छोड़कर अलीनगर-रानीमऊ तटबंध पर सुरक्षित स्थान पर पलायन शुरू कर दिया है। हालांकि तहसील प्रशासन की तरफ से कोई मदद न मिलने से बाढ़ पीड़ितों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं बाराबंकी जिले के कोटवाधाम और गनेशपुर इलाकों में बैराजों से 2.90 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद सरयू नदी का जलस्तर लाल निशान को पार कर गया है। नदी का पानी तेजी से गांवों की ओर बढ़ने से तराई में हड़कंप मच गया है और लोग गांव छोड़ सुरक्षित स्थानों के लिए पलायन करने लगे हैं। उधर मसीना के भंवर में फंसकर तेलवारी गांव के दो और मकान नदी की धारा में समा गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गया है और तीनों तहसीलों के एसडीएम को पूरी तरह से सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने को तैयार रहने को कहा गया है।

### केशव मौर्य ने प्रयागराज में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर बांटी राहत सामग्री

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने नाव से दारागंज, बक्शी बांध, पत्रकार कालोनी, राजापुर, गंगानगर सहित कई इलाकों का दौरा किया। बाढ़ में फंसे लोगों को राहत सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उनके साथ पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

डिप्टी सीएम प्रयागराज पहुंचे और बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खड़ी है और हर मदद के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में रहने वाले बाढ़ प्रभावितों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कहीं पर किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बाढ़ से प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता की जाएगी। इसके पूर्व प्रयागराज में बाढ़ क्षेत्र के निरीक्षण के लिए जाते हुए रास्ते में सेंट मेरी स्कूल के सामने एक सड़क दुर्घटना हो गई थी। दुर्घटना स्थल पर भीड़ देखकर केशव मौर्य ने अपनी फ्लीट रुकवाई। तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था करके घायल व्यक्ति को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा और चिकित्सक को घायल व्यक्ति का इलाज करने का निर्देश दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# फर्जी विश्वविद्यालयों पर नकेल कब?

*देश के कई राज्यों में संचालित फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। यूजीसी ने एक बार फिर ऐसे 21 विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जारी की है। आयोग ने छात्रों को इन संस्थानों के प्रति आगाह भी किया है। सबसे अधिक आठ फर्जी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। यूपी में 4, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 2-2 तथा कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पुदुचेरी और आंध्र प्रदेश में एक-एक फर्जी विश्वविद्यालय संचालित हैं। इन संस्थानों के संचालक छात्रों को गुमराह कर मोटी कमाई कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी नहीं है? ऐसे फर्जी संस्थानों पर नकेल कसने के लिए कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? क्या राजनीतिक संरक्षण के चलते ये फलफूल रहे हैं? डिग्री देने के नाम पर ये शिक्षण संस्थान छात्रों और अभिभावकों को कब तक लूटते रहेंगे? क्या देश की शिक्षा व्यवस्था इसके लिए जिम्मेदार है?*

*देश में विश्वविद्यालयों की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अधिनियम 1956 के तहत होती है। केंद्रीय और प्रांतीय कानूनों के तहत स्थापित विश्वविद्यालय और इन कानूनों के तहत विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त निजी संस्थान ही डिग्री दे सकते हैं। बावजूद इसके देश में शिक्षा के नाम पर फर्जी विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था भी कम जिम्मेदार नहीं है। हकीकत यह है कि देश में हर साल छात्रों की संख्या के हिसाब से तकनीकी और रोजगारपरक संस्थानों में सीटें उपलब्ध नहीं होती है। इन संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलने वाले छात्रों का फायदा फर्जी संस्थान उठाते हैं। ये अधिकांशत: रोजगारपरक या तकनीक आधारित डिग्री देने का दावा करते हैं और छात्र इनके जाल में फंस जाते हैं। इससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो जाता है क्योंकि इनकी डिग्री कहीं भी मान्य नहीं होती है। हैरानी की बात यह है कि ये संस्थान सरकार की नाक के नीचे खुलेआम चल रहे हैं। हालत यह है कि यूजीसी फर्जी विश्वविद्यालय की लिस्ट जारी करती है और दूसरी ओर फर्जी संस्थान धड़ल्ले से चलते रहते हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई फर्जी संस्थानों को राजनीतिक संरक्षण भी मिलता है लिहाजा उनके हौसले बुलंद रहते हैं। ये संस्थान न केवल नौजवानों के भविष्य को अंधेरे में धकेल रहे हैं बल्कि अभिभावकों की गाढ़ी कमाई भी लूट रहे हैं। यदि राज्य सरकारें इन पर नकेल कसना चाहती हैं तो उसे फर्जी संस्थानों के खिलाफ आपराधिक कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई करनी होगी। साथ ही ऐसे संस्थानों पर कार्रवाई के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करना होगा।*

**“ सवाल यह है कि क्या राज्य सरकारों को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी नहीं है? ऐसे फर्जी संस्थानों पर नकेल कसने के लिए कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? क्या राजनीतिक संरक्षण के चलते ये फलफूल रहे हैं? डिग्री देने के नाम पर ये शिक्षण संस्थान छात्रों और अभिभावकों को कब तक लूटते रहेंगे? क्या देश की शिक्षा व्यवस्था इसके लिए जिम्मेदार है?**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# मजबूत विपक्ष की भूमिका भी समझे कांग्रेस

विश्वनाथ सचदेव

देश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इस सवाल का जवाब अब एक महीने के लिए और टल गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि कांग्रेस के लिए यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। पिछले पूरे एक साल से, और सच तो यह है कि इससे बहुत पहले से, यह सवाल टलता चला आ रहा है। हर राजनीतिक दल अपना अध्यक्ष चुनता है, यह बात दूसरी है कि कुल मिलाकर यह चुनाव एक मनोनयन बनकर रह गया है। चुनाव का नाटक जरूर होता है पर इससे यह प्रमाणित नहीं हो जाता कि दल-विशेष में अध्यक्षीय चुनाव के लिए जनतांत्रिक तरीका अपनाया ही जाता है। यह दुर्भाग्य की बात है, पर इस हकीकत को अस्वीकारा भी नहीं जा सकता। इस समस्या के संदर्भ में कांग्रेस की दुविधा या संकट और भी है। दुविधा यह कि कांग्रेस को अक्सर यही लगता रहा है कि नेहरू-गांधी परिवार उसको जोड़े रखने वाली ताकत है और संकट यह है कि लंबे अरसे से कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का चेहरा जनता में वह विश्वास नहीं जगा पा रहा जिसकी अपेक्षा राजनीतिक नेतृत्व से होती है।

अब स्थिति यह है कि नेहरू-गांधी परिवार नेतृत्व संभालने के प्रति अपनी अनिच्छा जता रहा है और कांग्रेस वालों को यह समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी नहीं तो फिर और कौन? उम्मीद है कि अक्टूबर में सवाल का कोई जवाब मिल जायेगा पर एक सवाल और भी है, जिसका जवाब देश को चाहिए। क्या कमजोर विपक्ष जनतंत्र की सफलता की सबसे अहम शर्त निभाने में मददगार हो सकता है? जनतंत्र में जितनी आवश्यकता सशक्त सत्तारूढ़ दल की है उतनी ही महत्वपूर्ण यह बात भी है कि विपक्ष कितना ताकतवर है? हमें एक मज़बूत सत्तारूढ़ दल भी चाहिए और उतना ही मज़बूत एक विपक्ष भी। शर्त यह है कि यह मजबूती सिर्फ संख्या-बल की नहीं होनी चाहिए। नीतियों और मूल्यों की दृष्टि से भी एक ठोस विकल्प की जरूरत होती है जनतंत्र को सफल बनाने के लिए। आज केंद्र में एक मजबूत सत्तारूढ़ दल तो है और यह दल सावधान भी है कि उसकी यह मजबूती बनी रहे लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारा विपक्ष कमज़ोर है। संख्या की दृष्टि से भी और नीतियों-कार्यक्रमों की दृष्टि से भी। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। पचहत्तर सालों में जनतंत्र के कई कीर्तिमान भी स्थापित किये गए हैं लेकिन हकीकत यह भी है कि स्वतंत्रता के शुरुआती दस-बीस सालों के बाद मूल्यों और आदर्शों की दृष्टि से गिरावट का एक

क्रम शुरू हो गया था, जो , दुर्भाग्य से, जारी है। इस गिरावट को रोकना जरूरी है। इसीलिए जरूरी है कि राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर नागरिक नजर बनाये रखें। इसका एक तरीका वोट के माध्यम से दलों पर अंकुश बनाये रखने का है और दूसरा सियासी नेतृत्व की कथनी-करनी पर नजर रखना। आज यदि कहीं पर लग रहा है कि सत्तारूढ़ दल यह मानकर चल रहा है कि वह अपनी मनमानी करते रह सकता है तो उसे बताना जरूरी है कि जनतंत्र में शासक नेता नहीं, मतदाता होता है। और यदि यह दिखता है कि विपक्ष अपनी भूमिका ढंग से नहीं निभा रहा तो उसे भी चेतावनी देने का काम मतदाता को ही करना होता है। सत्तारूढ़ दल का किसी गलतफहमी में जीना और विपक्ष का कमजोर होते जाना जनतंत्र के औचित्य पर सवालिया निशान लगाता है। दुर्भाग्य से, आज यह दोनों बातें होती दिख रही हैं। सत्तारूढ़ दल को लग रहा है कि वह अपनी ताकत बढ़ाने के लिए कुछ भी करने के लिए स्वतंत्र है और विपक्ष यह मानकर चलता दिख रहा है कि उसकी ताकत अपने आप बढ़ जायेगी। स्वयं विपक्ष को भी अपने आप से यह पूछना चाहिए कि वह उबर नहीं पा रहा अथवा उबरना चाहता नहीं है?

न उबर पाने और उबरना न चाहने वाला यह सवाल कांग्रेस के सामने खड़ा है। अध्यक्ष के मसले का समाधान तो कुछ न कुछ हो ही जायेगा, पर सवाल कांग्रेस के मजबूत होने का ज्यादा महत्वपूर्ण है। जल्दी ही कांग्रेस का देश जोड़ो अभियान शुरू होने वाला है। देश जोड़ने के लिए जनता से जुड़ने की इस कोशिश का स्वागत होना चाहिए। लेकिन इससे कहीं महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस अपनी कमजोरियों को समझने की कोशिश करे, अपने आप से यह पूछे कि कांग्रेस के स्तंभ गिरते क्यों जा रहे हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण गुलाम नबी आजाद का कांग्रेस से इस्तीफा देना है। लगभग आधी सदी से वे कांग्रेस के नेतृत्व से जुड़े रहे हैं, ऐसी स्थिति क्यों आयी कि वे अपनी अलग पार्टी बनाने के लिए निकल पड़े? क्यों कांग्रेस की स्थिति एक डूबते जहाज जैसी दिख रही है? दरअसल, मजबूत विपक्ष जनतंत्र की सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। आज कांग्रेस का दायित्व है कि वह इस शर्त को पूरा करने की महत्ता को समझे अपने आप को मजबूत बनाये। क्या कांग्रेस का नेतृत्व इस महत्ता को समझ रहा है?

# अंधेरे जीवन में रोशनी के लिए करें जागरूक

दीपिका अरोड़ा

**1985 से लेकर अब तक भारत में 37 राष्ट्रीय पखवाड़े आयोजित किए जा चुके हैं। प्राकृतिक नेत्रदान पखवाड़े द्वारा आयोजित 'वर्ड-ऑफ-माउथ' सबसे बड़ी तथा उपयोगी तकनीकों में से एक है। 'विश्व दृष्टि दिवस, 2022' के अंतर्गत इस बार का नामित थीम है, 'लव योर आइज'। किसी भी आयु, लिंग, रक्त समूह का व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है बशर्ते वह एड्स, हेपेटाइटिस बी अथवा सी, रेबीज, टिटनेस जैसे प्रणालीगत संक्रमण से पीड़ित न हो।**

विगत कुछ वर्षों से दृष्टिहीनता एक वैश्विक समस्या के रूप में अपनी पैठ बना रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कॉर्निया से संबंधित बीमारियां एवं मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद होने वाली दृष्टि हानि अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक है। अनुमानित 2.2 बिलियन लोग दृष्टिबाधिता की समस्या से ग्रसित हैं, जिनमें से 1 बिलियन अथवा आधे लोगों का उपचार संभव है। 2020 के एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 31.6 मिलियन लोग दृष्टिहीनता का शिकार हैं। विचारणीय है, देश में मृतक संख्या 90 लाख प्रति वर्ष होने पर भी मात्र 15 हजार दृष्टिबाधितों के लिए ही नेत्रदान संभव हो पाया। प्रत्येक वर्ष 250 लाख आंखों की आवश्यकता पर मात्र 50,000 आंखें ही उपलब्ध हैं, जिनमें से दस हजार कॉर्निया ही प्रत्यारोपित हो पाते हैं।

मानव जीवन में दृष्टि के महत्व को देखते हुए प्रतिवर्ष 25 अगस्त से 8 सितम्बर तक 'राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा' मनाया जाता है। भारत की केंद्र सरकार द्वारा आयोजित इस अभियान का उद्देश्य जहां दृष्टिबाधिता की समस्या, नेत्रदान के लाभ तथा उपयोगिता संबंधी जनजागरूकता फैलाना है, वहीं लोगों को नेत्रदान हेतु प्रेरित व अनुबंधित करना भी है। 1985 से लेकर अब तक भारत में 37 राष्ट्रीय पखवाड़े आयोजित किए जा चुके हैं। प्राकृतिक नेत्रदान पखवाड़े द्वारा आयोजित 'वर्ड-ऑफ-माउथ' सबसे बड़ी तथा उपयोगी तकनीकों में से एक है। 'विश्व दृष्टि दिवस, 2022' के अंतर्गत इस बार का नामित थीम है, 'लव योर आइज'। किसी भी आयु, लिंग, रक्त समूह का व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है बशर्ते वह एड्स, हेपेटाइटिस बी अथवा सी, रेबीज, टिटनेस जैसे प्रणालीगत संक्रमण से पीड़ित न हो। कम दृष्टि, दूर दृष्टि, मोतियाबिंद, अस्थमा, मधुमेह, उच्च रक्त चाप आदि रोग नेत्रदान में हरगिज बाधा नहीं। नेत्रदान पंजीकरण हेतु ऑनलाइन व ऑफलाइन शपथपत्र भरना आवश्यक है।

पंजीकृत होने के पश्चात नेत्रदाता कार्ड उपलब्ध करवाया जाता है। नेत्रदाता के देहावसान के पश्चात परिजनों का दायित्व बनता है कि शीघ्रातिशीघ्र नजदीकी नेत्र बैंक से संपर्क हेतु 1919 डायल करें। चार से छह घंटे की अवधि के बीच कॉर्निया को निकाल लेना बेहतर है। संबंधित टीम स्वयं निर्दिष्ट स्थान पर पहुंचकर, दो गवाहों की उपस्थिति में परिजनों की लिखित स्वीकृति से कॉर्निया निकाल लेगी। दस-पंद्रह मिनट की इस प्रक्रिया में चेहरे की बनावट सामान्य बनाए रखने हेतु, नेत्रगोलक के स्थान पर ट्रांसपेरेंट आई कैप लगा दी जाती है। प्रथम सफल कॉर्निया प्रत्यारोपण वर्ष 1905 में किया गया तथा पहले नेत्र बैंक की स्थापना 1944 में हुई। एलईआईटीआर विश्व का सबसे बड़ा बैंक है, जहां से प्रतिवर्ष लगभग 7,000 मानव आंखें प्राप्त होती हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र में स्थित, भारत का 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान राष्ट्रीय नेत्र बैंक' विगत 50 वर्षों से अधिक समय से नेत्रदान हेतु सेवारत है। इस दिशा में संयुक्त राज्य अमेरिका का योगदान अग्रगण्य है। 51 देशों को कॉर्निया दान करके, श्रीलंका वैश्विक स्तर पर प्रेरणास्रोत बना। भारत में तमिलनाडु प्रांत नेत्रदान के मामले में अग्रिम सूची में आता है। 1948 में समाज के समक्ष उदाहरण स्थापित करने वाले डॉ. आर.ई.एस. मुथैया भारत के प्रथम नेत्रदाता बने। आज सरकारी संस्थाओं सहित कुछ समाजसेवी संस्थाएं भी नेत्रदान जागृति हेतु सराहनीय कार्य कर रही हैं। पंजाब में सामाजिक चेतना लहर से जुड़ी संस्था 'तर्कशील सोसायटी पंजाब', महाराष्ट्र में 'अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति' जैसी अनेक संस्थाएं इस दिशा में प्रयत्नशील हैं। नेत्रदान, हालांकि मृत्योपरान्त किया जाने वाला दान है किंतु जन-जागरूकता के अभाव, संस्थानों व अस्पतालों में अपर्याप्त सुविधाओं, प्रशिक्षित कर्मियों में प्रेरक क्षमता के प्रति उदासीनता तथा प्रचलित सामाजिक व धार्मिक मिथकों के कारण विशाल राष्ट्र होने के बावजूद यह अभियान भारत में यथेष्ट सफलता अर्जित नहीं कर पाया। यद्यपि राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े की उद्देश्यपूर्ति हेतु कई गैर-सरकारी संगठनों ने भी केंद्र सरकार के साथ हाथ मिलाए हैं तथापि विगत 40-50 वर्षों से कॉर्नियल प्रतिरोपण द्वारा नेत्रदान संभव होने पर भी इस मामले में हम कहीं पीछे हैं। समाज में अंगदान से जुड़े मिथकों व भ्रांतियों का निराकरण किए बिना अभियान का सफल होना असंभव है। इसके लिए सरकारों को नेत्रदान प्रोत्साहन हेतु नवीन नीतियों सहित आगे आना होगा।

एक पहल, जिसके माध्यम से दो अंधियारे जीवन उज्ज्वल हो पाएं, नश्वर देह के लिए इससे बड़ा पुण्य क्या होगा? वैसे भी विकराल समस्या के तौर पर नेत्रदान स्वत: ही मौलिक कर्तव्य की श्रेणी में आ जाता है तो क्यों न आज और अभी से इस महादान अभियान को एक प्रेरक आयाम देने हेतु संकल्पबद्ध हों?

# बच्चों का दिमाग तेज करता है गाय का दूध

आजकल शहरों में ज्यादतर माएं बच्चों को पैकेट का ही दूध पिलाती हैं क्योंकि कई जगह गाय का शुद्ध दूध उपलब्ध नहीं होता। जहां उपलब्ध होता भी है तो मांओं को लगता है कि उनके बच्चे के लिए पैकेट का ही दूध सही है, उन्हें गाय के दूध के गुण और फायदों के बारे में जानकारी ही नहीं होती है।

गाय का दूध बहुत पौष्टिक होता है और एक साल का होने के बाद आप अपने बच्चे को यह दूध पिला सकती हैं। गाय के दूध में आयरन की भरपूर मात्रा होती है इसलिए उसे पीने से बच्चों को एनिमिया का खतरा नहीं रहता। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी12, विटामिन बी2 भी होता है।

## पाचन शक्ति को रखे दुरुस्त

बच्चों को अक्सर डाइजेशन से संबंधित समस्याएं होती है। ऐसे में उनके लिए गाय का दूध बहुत अच्छा रहता है। बच्चों को दस्त होने पर भी गाय के दूध में एक चुटकी दालचीनी मिलाकर पिलाने से फायदा होता है।

## आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक

गाय के दूध में कैरोटीन भी होता है जो बच्चों की आंखों की रोशनी बढ़ाने में मददगार है। इसलिए बच्चों को गाय का दूध जरूर दें।

## हड्डियां मजबूत बनाता है

गाय का दूध बहुत हल्का होता है जिससे यह आसानी से पच जाता है और बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। बीमारियों से बचाने के साथ ही गाय का दूध पीन से हड्डियां भी मजबूत बनती हैं। गाय का दूध बच्चों के साथ ही बड़े-बुजुर्गों के लिए भी बहुत पौष्टिक होता है। इसलिए बच्चों के साथ ही खुद भी रोजाना गाय के दूध का सेवन करें।

## रिकेट्स या सूखा रोग दूर करने में मददगार

जिन बच्चों को रिकेट्स या सूखा रोग हुआ हो उनके लिए गाय का दूध बहुत फायदेमंद होता है। इस बीमारी में बच्चों को गाय के दूध के साथ ही बादाम खिलाने से भी फायदा होता है, इससे बच्चों की रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

## मानसिक विकास

छोटे बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए गाय का दूध बहुत जरूरी है। रोजाना गाय का दूध पीने से आपका बच्चा बुद्धिमान और स्मार्ट बनेगा।

गाय का दूध बहुत पौष्टिक होता है और एक साल का होने के बाद आप अपने बच्चे को यह दूध पिला सकती हैं। गाय के दूध में आयरन की भरपूर मात्रा होती है इसलिए उसे पीने से बच्चों को एनिमिया का खतरा नहीं रहता।

## नहीं होती गैस की समस्या

छोटे बच्चों को गैस की समस्या भी बहुत होती है, ऐसे में उन्हें गाय का दूध पिलाएं। इससे पेट ठीक रहेगा और गैस की परेशानी नहीं होगी। दूध में थोड़ा-सा शक्कर मिलाकर बच्चे को पिलाएं।

## हंसना मना है

संता अपने वाइफ की चोटी पकड़ कर सोया था। वाइफ : तुम मेरी चोटी पकड़ कर क्यूं सोये हो । संता: न्यूज आई है की सभी पति अपनी पत्नी की चोटी पकड़ कर सोये, नहीं तो सुबह तक आप की सजनी, गजनी हो जाएगी।

नियाग्रा फॉल्स पर गाइड : मैं आप सबका नियाग्रा फॉल्स पर स्वागत करता हूं। यह दुनिया का सबसे विशाल वॉटर फॉल है। यहां से गिरते पानी की आवाज इतनी तेज है कि एक साथ 20 सुपरसोनिक जहाज भी यहां से गुजर जाएं तब भी उनकी आवाज सुनाई नहीं देगी। अब मैं भारतीय महिलाओं से गुजारिश करूंगा कि वे प्लीज शांत हो जाएं, ताकि हम नियाग्रा फॉल्स की आवाज सुन सकें..!

संता बहुत ही खुश था। संता कुछ गांव वालों के साथ घूम रहा था तभी उसने कहा: जो मेरी एक इच्छा पूरा करेगा उसको मैं एक लाख रुपया दूंगा। सब गांव वाले सोच में पड़ गए और बोलो क्या इच्छा है तुम्हारी। संता बोला: मुझको दो लाख रुपया चाहिए। संता की बात सुनकर गांव वाले कोमा में।

राजजी (ताऊ से)- शादी में दूल्हे के साथ बाराती क्यों जाते हैं? ताऊ-क्योंकि बड़े कहते हैं कि किसी की खुशी में जाओ या न जाओ पर मुसीबत में जरूर जाना चाहिए।

## कहानी — पछतावा

एक बार धीरज बाबू अपने बेटे को लेकर उसे जूते दिलाने के लिए बाजार ले जाते हैं। बाजार से गुजरते समय उनके बेटे को एक दुकान पर रखे जूते बहुत पसंद आ जाते हैं और वह अपने पिता से कहता है कि मैं यही जूते लूंगा। बेटे की जिद पर धीरज बाबू दुकानदार से पूछते हैं कि ये जूते कितने के हैं। साहब, आठ सौ पचास रुपए के दुकानदार ने जवाब दिया। दुकानदार से भाव सुनकर धीरज बाबू ने अपने बेटे को धीरे से समझाया पुनीत! मैं तुम्हें दूसरी दुकान लिए चलता हूं। ये जूते बहुत महंगे हैं। दोनों उस दुकान से बाहर निकलने लगे। अरविंद के पिताजी और मेरे पिताजी एक ही पद पर हैं लेकिन दोनों में कितना अंतर है, उसके पिताजी उसकी हर मांग पूरी करते हैं, उसकी हर चीज कितनी अच्छी होती है और मेरे पिताजी कुछ खरीदते समय कितना सोचते हैं। अपने मनपसंद जूतों को न खरीद पाने के कारण पुनीत मन ही मन झल्ला रहा था और अपने पिताजी की कंजूसी पर उसे क्रोध भी आ रहा था। मैं जो कपड़े पहनता हूं, उससे अच्छे तुम्हें पहनाता हूं। तुम तसल्ली रखो, मैं तुम्हें अच्छे जूते दिलवाऊंगा। बेटा! ईमानदारी के पैसों को फिजूल में खर्च करने की मैं हिम्मत नहीं जुटा पाता हूं। तुम बड़े होकर समझोगे कि ईमान और बेईमानी के धन में क्या फर्क होता है। अपनी बात पूरी कर पिताजी ने पुनीत के सिर पर हाथ रख दिया। पुनीत चाहकर भी निगाहें ऊपर नहीं कर पा रहा था। पिताजी की बात सुनकर पुनीत को अपनी सोच पर पछतावा हो रहा था, शायद इसीलिए उसके मन में अपने और अरविंद के पिताजी अब उसके लिए बुराई और अपने पिताजी श्रद्धा के पात्र बन गए थे।

## 8 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

**वृषभ** — कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

**मिथुन** — प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें।

**कर्क** — थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

**सिंह** — जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

**कन्या** — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

**तुला** — शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

**वृश्चिक** — संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

**धनु** — कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

**मकर** — कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

**कुम्भ** — कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं।

**मीन** — आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

# अमीषा पटेल पर 2.5 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

सुप्रीम कोर्ट ने बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल के खिलाफ चल रहे मुकदमे पर अंतिम रोक लगा दी है। दरअसल, झारखंड ट्रायल कोर्ट ने अमीषा के खिलाफ धोखाधड़ी और विश्वासघात के लिए समन जारी किया था। इसके बाद अमीषा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अब इसे लेकर जस्टिस बीआर गवई और पीएस नरसिम्हा की बेंच ने झारखंड सरकार को नोटिस भेजा है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 (चेक बाउंस) के तहत दंडनीय अपराधों की कार्यवाही कानून के अनुसार आगे बढ़ाई जानी चाहिए। सिर्फ इंडियन पीनल कोड 1860 की धारा 406 (क्रिमिनल ब्रीच) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत पनिशेबल ऑफेंस में नोटिस जारी करें। आईपीसी की धारा 406 और 420 के तहत चल रहे मुकदमे पर अगले आदेश तक रोक लगाई जाती है। बेंच ने आगे कहा, हम क्लेरिफाई करते हैं कि जहां तक बात धारा 138 (चेक बाउंस) के तहत दंडनीय अपराध की है, इसे कानून के अनुसार आगे बढ़ाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अमीषा द्वारा दायर की गई याचिका पर आया है। दरअसल, 5 मई 2022 को झारखंड हाई कोर्ट अमीषा के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में चल रहे मुकदमे को रद्द करने की मांग को खारिज कर दिया था। प्रोड्यूसर अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। कम्पलेंट में कहा गया था कि अजय ने देसी मैजिक नाम की फिल्म बनाने के लिए अमीषा के बैंक अकाउंट में 2.5 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए थे। हालांकि अमीषा ने न तो फिल्म का प्रोडक्शन काम शुरू किया और न ही प्रोड्यूसर के पैसे लौटाए।

# कृति सेनन के लिए इंडस्ट्री में कोई सिंगल इंसान नहीं

बॉलीवुड | मसाला

कृति सेनन को हाल ही में मिमी में उनकी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्ट्रेस की कैटेगरी में फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला है। अवॉर्ड जीतने के बाद कृति से एक मीडिया इंटरेक्शन के दौरान सवाल किया गया कि वो इंडस्ट्री में से किसे रेड कार्पेट पर डेट के तौर पर लाना पसंद करेंगी। इस पर एक्ट्रेस ने रिप्लाई करते हुए कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में कोई सिंगल इंसान नहीं बचा है। कृति ने कहा काश की कोई मुझे रेड कार्पेट पर कंपनी देने के लिए होता। अगर ऐसा कोई इंसान मेरी लाइफ में होता तो वो यहां जरूर आपको दिखाई देता। मुझे नहीं पता है कि इंडस्ट्री में कौन सिंगल है? यह सच में काफी मुश्किल। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में कोई सिंगल इंसान नहीं है। कृति ने बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतने के बाद सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपने सपनों के पूरे होने की बात लिखी है। साथ ही कृति ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। वीडियो में कृति बेड पर लेटी हुई हैं और उन्होंने ट्रॉफी को अपने सिर के पास रखा हुआ है। कृति ने नोट में लिखा मैं आज अकेले नहीं सो रही हूं। मेरा दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है। ब्लैक लेडी फाइनली मेरे पास है। मेरे सपनों को सच करने के लिए, थैंक्यू फिल्मफेयर। कृति ने आगे लिखा मुझे यह रोल देने के लिए और हमेशा मुझे सपोर्ट करने के लिए डिनो और लक्ष्मण उटेकर सर को बहुत सारा थैंक्यू। मैं आप दोनों से बहुत प्यार करती हूं। मैड्डॉक फिल्म्स और फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू को थैंक्यू, जिन्होंने मिमी को और स्पेशल बना दिया। मेरी प्यारी ऑडियंस और मेरे फैंस को मुझे और मेरी फिल्म को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद। मम्मी, पापा, नूपुर मैंने यह कर दिखाया। यह ट्रॉफी बड़े सपने देखने के लिए। सभी को गुड नाइट। कृति सेनन ने टाइगर श्रॉफ के साथ 2014 में आई फिल्म हीरोपंती से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था।

# फिल्मफेयर अवॉर्ड : रणवीर सिंह बेस्ट एक्टर और कृति सेनन को बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब

67वें फिल्मफेयर अवॉर्ड की घोषणा की गई है। इसमें बेस्ट एक्टर रणवीर सिंह को फिल्म 83 के लिए और बेस्ट एक्ट्रेस कृति सेनन को फिल्म मिमी के लिए दिया गया। इस साल की बेस्ट फिल्म अवॉर्ड सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टरार शेरशाह को दिया गया। वहीं, बेस्ट लिरिक्स का अवॉर्ड कौसर मुनीर को दिया गया। यह पहली बार है जब फिल्मफेयर का यह अवॉर्ड किसी महिला को दिया गया है। फिल्म शेरशाह की कहानी परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा के जीवन पर आधारित है। विक्रम ने पाकिस्तान से हुए करगिल युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी। शेरशाह में कैप्टन विक्रम का रोल सिद्धार्थ मल्होत्रा ने निभाया था। वहीं इस फिल्म में कियारा आडवाणी विक्रम की प्रेमिका डिंपल के रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म को विष्णुवर्धन पुरी ने डायरेक्ट किया था। म्यूजिक लिरिसिस्ट कौसर मुनीर को 67 फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया। कौसर को यह अवार्ड फिल्म 83 में लिखे गए गाने लहरा दो के लिए दिया गया है। फिल्मफेयर में बेस्ट लिरिसिस्ट का अवार्ड को जीतने वाली वो पहली महिला हैं। मुनीर का जन्म मुंबई के बांद्रा में हुआ। उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से इंग्लिश साहित्य की पढ़ाई पूरी की। मुनीर हमेशा से ही संगीत में रुचि रखती हैं, यही वजह थी को लिरिक्स राइटिंग में उनका रुझान रहा। पढ़ाई पूरी करने के बाद मुनीर मीडिया में रिसर्च वर्क से जुड़ा काम करने लगी।

अजब-गजब | अमिताभ बच्चन के लिए ऐसी दीवानगी!

# भारतीय शख्स ने अमेरिका में घर के बाहर लगवा दी एक्टर की मूर्ति

रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं, नाम है शहंशाह। हम जहां खड़े हो जाते हैं, लाइन वहीं से शुरू हो जाती है। तुम लोग मुझे वहां ढूंढ रहे हो और मैं तुम्हारा यहां इंतजार कर रहा हूं; मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता। इन दमदार डायलॉग्स को पढ़कर ही आपको समझ आ गया होगा कि हम सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की बात कर रहे हैं। इतने सालों तक भारतीय फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाले अमिताभ के फैंस में कोई कमी नहीं आई है। उनके चाहने वाले सिर्फ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हैं। इसी वजह से एक शख्स ने अमेरिका में अपने घर के बाहर बिग-बी की जीवंत प्रतिमा स्थापित करवाई है और उसका धूमधाम से उद्घाटन किया है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय-अमेरिकी कपल रिंकू और गोपी शेठ ने बीते 27 अगस्त को महानायक अमिताभ बच्चन की एक मूर्ति अपने घर के बाहर लगाई और उसका उद्घाटन किया। इस मौके पर एक्टर के चाहने वाले ढेरों फैंस शामिल हुए और फोटो के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। गोपी

ने अपने ट्विटर पर इस समारोह से जुड़ी कुछ तस्वीरें पोस्ट कर लोगों को मूर्ति के बारे में बताया. उन्होंने लिखा- शनिवार 27 अगस्त को हमने अमिताभ बच्चन की प्रतिमा अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थित हमारे घर के बाहर लगवाई है। मिस्टर बच्चन के कई फैंस उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। प्रतिमा एक कांच के ट्रांसपेरेंट बक्से में बंद है। मूर्ति को बंद-गला सूट पहनाया गया है और स्टूल पर बैठे दिखाया है। दिखने में प्रतिमा रियल लग रही है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार गोपी ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी के लिए अमिताभ बच्चन भगवान से कम नहीं हैं। वो अपने फैंस का बहुत ध्यान रखते हैं और बेहद उदार व्यक्ति हैं। आपको बता दें कि गोपी गुजरात के दाहोद से अमेरिका, साल 1990 में गए थे और तब से वहीं बस गए. वो पिछले 3 दशकों से अमिताभ बच्चन पर आधारित एक वेबसाइट भी चला रहे हैं जिसका नाम बिग बी एक्सटेंडेड फैमिली है। रिपोर्ट के मुताबिक ये मूर्ति राजस्थान में बनी है और वहां से इसे अमेरिका भेजा गया. इस पूरे प्रोजेक्ट का खर्च करीब 60 लाख रुपये आया था।

# एक मिनट में सबसे ज्यादा बेसबॉल बैट तोड़कर रचा इतिहास

दुनिया में एक से एक प्रतिभा की कमी नहीं है। पढ़ाई लिखाई कर डॉक्टर इंजीनियर बनना तो हर किसी को पता है। गिने चुने खेल भी हर कोई जानता है, लेकिन जो सबसे जुदा है जिसमें आपका टैलेंट काम आये या कुछ जो काम आपके टैलेंट को सूट करे उसे समझना तलाशना और खुद को उसने पूरी तरह से झोंक कर नया कीर्तिमान बना सबके बस की बात नहीं होती। बस जरूरत होती है खुद को परखने की। और ऐसे ही अनोखे लोग विश्व रिकॉर्ड बनाते हैं। जर्मनी के मोहम्मद कहरीमैनोविक ने 1 मिनट में सबसे ज्यादा बेसबॉल तोड़कर इतिहास रच दिया और इस कारनामे के साथ उनका नाम की गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में एकबार फिर शामिल हो गया। उन्होंने 1 मिनट में सबसे ज्यादा 68 बेसबॉल तोड़कर ये खिताब अपने नाम किया। अपने हाथों के ऐसे ही कमाल के लिए उन्हें 'हैमर हैंड्स' नाम से भी जाना जाता है। मोहम्मद कहरीमैनोविक ने इटली में एक शो 'लो शो देई रिकॉर्ड' के सेट पर अपना नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने एक मिनट में अपने हाथों से तोड़े गए सबसे अधिक 68 बेसबॉल बैट को तोड़ने के साथ एक और रिकॉर्ड को तोड़ते दुनिया ने देखा। एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटते और दूसरा रिकॉर्ड बनने का वीडियो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने अपने यूट्यूब चैनल पर भी शेयर कियाद्ध जहां उनके कारनामे को देख आप अपना सिर पकड़कर बैठ जाएंगे। जिस तरह वो एक एक के बाद एक बेसबॉल बैट को तोड़ते जा रहे थे, उसे देख ऐसा लग रहा था मानों उन स्टिक्स के साथ खेल रहे हों। उन मजबूत बल्लों को तोड़ने में उनके हाथों का क्या हाल हो रहा होगा समझना मुश्किल नहीं। आपको बता दें कि कहरीमैनोविक अपने ऐसे ही कारनामों के लिए जाने जाते हैं। जहां वो अपने सॉलिड हाथों से एक से एक मजबूत चीजों को खिलौने की तरह तोड़ते जाते हैं। इसीलिए उन्हें 'हैमर हैन्ड' भी कहा जाता है।

# भाजपा मुक्त भारत की है जरूरत : केसीआर

## तेलंगाना के सीएम ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

### » समाज में घोला जा रहा सांप्रदायिकता का जहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बुधवार को कहा कि अब भाजपा मुक्त भारत की जरूरत है। देश से भाजपा को हटाने के लिए तीन पार्टियों टीआरएस, जदयू और राजद के बीच सहमति बन गई है। नीतीश कुमार का भी मन है कि देश के जितने भी विपक्षी दल हैं, सब एक होकर भाजपा मुक्त भारत का नारा दें।**

के चंद्रशेखर राव ने भाजपा पर देश तोड़ने और धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल के बाद अगर भारत को मुश्किलों से निकालना है तो मिलकर काम करना होगा। अगर ऐसा किया जाए तो भारत सर्वश्रेष्ठ, प्रभावशाली और

आर्थिक शक्ति संपन्न बन सकता है। धर्म के नाम पर समाज को तोड़ने का काम किया जा रहा है और एक अच्छे भारत को खराब करने का जो प्रयास हो रहा है ये देश को कहां ले जाएगा? समाज में सांप्रदायिकता का जहर घोला जा रहा है।

### थर्ड नहीं मेन फ्रंट बनाने की कर रहे हैं कोशिश : नीतीश

**मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिये कहा कि केंद्र सरकार काम नहीं केवल प्रचार-प्रसार में जुटी है। कहीं कोई काम हो रहा है क्या? काम नहीं करना है, खाली प्रचार करना है। उन्होंने राज्यों की वित्तीय मदद घटा दी और आर्थिक बोझ लाद दिया। नीतीश कुमार ने कहा कि हम थर्ड फ्रंट नहीं बल्कि मेन फ्रंट बनाने का प्रयास कर रहे हैं।**

मोदी का खुद का वादा था कि 2022 तक हर गरीब का अपना मकान होगा..क्या ये वादा सफल हुआ? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के साथ बातचीत हुई और एक बात पर सहमति बनी कि किसी भी प्रकार से भाजपा की सरकार को देश से बाहर करना है। आठ साल से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने हुए हैं लेकिन हर सेक्टर में देश का विनाश हो रहा है, देश के सभी लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का भी मन है कि देश के जितने भी विपक्षी दल हैं, सब एक होकर भाजपा मुक्त भारत का नारा दें। जनता तक पहुंचाएं कि आजादी के 75 साल के बाद अगर भारत को मुश्किलों से निकालना है तो मिलकर काम करना होगा।

चीन की तारीफ करते हुए तेलंगाना के सीएम केसीआर ने कहा कि हमारे पास ज्ञान नहीं है तो जहां है वहां से सीखना चाहिए। चीन की अर्थव्यवस्था 16 बिलियन डालर पहुंच गई है। हम तीन बिलियन के ही आसपास हैं। चीन अमेरिका को टक्कर दे रहा है। आज डालर के मुकाबले रुपया कहां है? के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण हमारी अर्थव्यवस्था खराब हुई है।

## आप विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे उपराज्यपाल

### » दिल्ली के उपराज्यपाल पर लगाया गया है भ्रष्टाचार का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों राजनीतिक पारा अपने चरम पर है। भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेता आमने-सामने हैं लेकिन अब उपराज्यपाल को भी निशाने पर लिया जा रहा है। आप के कुछ विधायकों ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर नोटबंदी के दौरान 1400 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। इस पर उपराज्यपाल इन विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं।**

उपराज्यपाल कार्यालय के अधिकारी की ओर से बताया गया है कि अब सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और जैस्मीन शाह सहित अन्य के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आप के इन नेताओं पर भ्रष्टाचार के अत्यधिक मानहानिकारक और झूठे आरोप लगाने के लिए कार्रवाई होगी। आप के विधायक दुर्गेश पाठक ने उपराज्यपाल पर 1400 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने विधानसभा में दावा किया कि नोटबंदी के दौरान खादी ग्रामोद्योग के प्रमुख रहते हुए सक्सेना ने कालेधन को सफेद किया।

## नहीं गलेगी नीतीश कुमार की दाल: सुशील मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**समस्तीपुर । वरिष्ठ भाजपा नेता व राज्य सभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने नीतीश कुमार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि पता चला है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) बिहार आए हैं। केसीआर हों या केजरीवाल, नीतीश की दाल नहीं गलेगी। आज गलवान घाटी के बलिदानियों के स्वजनों को सहायता दी गई है लेकिन यही केसीआर हैं जो सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठा रहे थे। कह रहे थे कि नरेंद्र मोदी को सुबूत देना चाहिए कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई कि नहीं। उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं, जिनका अपने राज्य में जनाधार खिसक गया है। हैदराबाद नगर निगम चुनाव में भाजपा चार से 48 पर पहुंच गई और केसीआर की पार्टी 99 से खिसककर 56 पर पहुंच गई। अभी दो उपचुनाव हुए जिनमें केसीआर की पार्टी दोनों सीटें हार गई और भाजपा की जीत हुई। 2019 के चुनाव में केसीआर अपनी बेटी को नहीं जीता पाए। तेलंगाना में जिस तरह से भाजपा बढ़ रही है, उसमें केसीआर को डर सता रहा है कि आने वाले विधान सभा चुनाव में कहीं भाजपा की सरकार न बन जाए। यही हाल नीतीश कुमार का है। बिहार में 115 से 71 हो गए फिर 43 पर पहुंच गए। जिन नेताओं का जनाधार घट गया है, जिनको अपने राज्य में कोई पूछने वाला नहीं है, जो सड़क पर आ गए हैं, वे लोग मिलकर नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने की कोशिश कर रहे हैं। लोक सभा चुनाव में लोग नीतीश या केसीआर को वोट नहीं करेंगे। देश की जनता चाहती है कि देश में एक मजबूत सरकार बने जो चीन और पाकिस्तान का भी मुकाबला कर सके।**

## झारखंड में सियासी संकट के बीच रायपुर से रांची लौटे कांग्रेस के मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विधान सभा सदस्यता से जुड़े मामले को लेकर झारखंड में उपजे सियासी संकट के बीच संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम सहित कांग्रेस के चारों मंत्री रायपुर से रांची लौट आए। आलमगीर आलम ने कहा कि सरकार का काम बंद नहीं है। सरकार लगातार काम कर रही है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा, कर्नाटक की चुनी हुई सरकार को अपदस्थ किया गया। इस षड्यंत्र के कारण ही हम रायपुर में हैं। कैबिनेट की बैठक के बाद फिर वे लोग रायपुर लौट जाएंगे। राज्य में बने सियासी संकट के हालात के बीच महागठबंधन की सरकार को बचाने के लिए मंगलवार को विशेष विमान से झामुमो के 19 और कांग्रेस के 12 विधायक रायपुर भेजे गए हैं। इसमें कांग्रेस के चारों मंत्री भी शामिल थे। प्रदीप यादव रायपुर पहुंच गए हैं। महागठबंधन के विधायकों को रायपुर भेजे जाने को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राजभवन को यह बताना चाहिए कि चुनाव आयोग से कुछ आया है या नहीं। अगर आया है तो राजभवन को इसकी आधिकारिक जानकारी देनी चाहिए। शासन को अस्थिर करने में राजभवन की भूमिका यदि होगी तो राज्य कैसे चलेगा।**

# तो भाजपा को चुभ रहे नितिन गडकरी के बयान!

### » 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। नितिन गडकरी के पक्ष में एक बात यह भी है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी पसंदीदा हैं इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में सबसे मुखर मंत्री होने के बावजूद गडकरी टकराव का रास्ता नहीं अपनाते और हर मामले में सुलह-मशविरे से काम निकालते हैं, इसके चलते वह न सिर्फ नरेंद्र मोदी बल्कि पार्टी के अन्य नेताओं का ध्यान भी आकर्षित करते हैं जो हमेशा उनका कद छोटा करने की जुगत में रहते हैं। ऐसे में सवाल हैं कि गडकरी जैसी हिम्मत मोदी मंत्रिमंडल में किसी और की क्यों नहीं है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार विवेक देशपांडे, तुलसीदास भोईटे, डॉ. राकेश पाठक, प्रो. सुधांशु कुमार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा हुई।**

विवेक देशपांडे ने कहा कि गडकरी

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

का अपना स्वाभाव है और फडणवीस का अपना। नागपुर के एमपी और एमएलए जो भी रहे वे हमेशा अग्रेसिव ही रहे। आरएसएस भी अग्रेसिव संगठन है। नागपुर का अपना कल्चर है। गणित अग्रेसिव की है। संघ गडकरी के साथ हमेशा खड़ा रहेगा।

प्रो. सुंधाशु कुमार ने कहा, बीजेपी को नहीं पसंद करने वाले लोग भी अटल जी का उदाहरण देते हैं। वीडियो दिखाते है। हर एक मायने के मतलब है। गडकरी ने जो बयान दिए, उसका एक मतलब है। यूपी में सीएम योगी चाहते थे कि फेवरेट अधिकारी को एक्सटेंशन मिल जाए पर नहीं मिला न। वहां के साहब को जो पसंद है उसे यूपी भेज दिया जाएगा।

राजनाथ के बयानों को भी समझिए। तो बड़े-बड़े लीडर किनारे कर दिए गए।

तुलसीदास भोईटे ने कहा कि जाहिर सी बात है कि आपके दल में लोकतंत्र तो हैं जैसा आप कहोगे वैसा करने के लिए। बाकी दलों में भी यही होता है पर 2014 के बाद जो बदलाव आया है, उस पर प्रश्न तो खड़े होंगे ही। भाजपा नेताओं और गडकरी में फर्क है। ये जो फर्क है इसमें बदलाव होना ही है। भाजपा जब मुश्किल में आई थी गोवा में तो गडकरी ने ही मामला सुलझाया था। कई बार लगता है कि कद वाले नेता अच्छे नेता ग्रुप में नहीं होते। डॉ. राकेश पाठक ने शेर के जरिए इस मामले पर जवाब दिया। उन्होंने कहा, समझने ही नहीं देती सियासत हमको सच्चाई, कभी चेहरा नहीं मिलता कभी दर्पण नहीं मिलता, तो ये इतनी टेढ़ी है सियासत कि इसमें चेहरा और दर्पण को साथ मिलाना बड़ा कठिन होता है। सियासत को समझना इतना आसान नहीं।

# आंगनबाड़ी केंद्र पर ताला देख भड़के बृजेश पाठक, लगाई फटकार

### » गोंडा के दौरे पर गए थे डिप्टी सीएम, अमृत सरोवर का भी किया निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**गोंडा। जिले के दौरे पर गए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने इटियाथोक के संझवल गांव में बने अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। इसके बाद ग्राम पंचायत करुआपारा में तालाब, स्कूल व पाइप लाइन परियोजना का निरीक्षण किया। पानी की टंकी चालू करने के लिए कहा तो प्रधान ने बिजली न होने की बात कही। आंगनबाड़ी केंद्र में ताला बंद होने पर डिप्टी सीएम ने नाराजगी जताई और जिम्मेदारों को फटकार लगायी।**

डिप्टी सीएम ने अमृत

सरोवर के किनारे मेला लगाने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। अमृत सरोवर का निर्माण बलिदानी विश्वनाथ तिवारी की स्मृति में कराया गया है। इस दौरान बलिदानी की बेटी रेखा तिवारी को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बलिदानी ने भारत देश का नाम रोशन करते हुए मुल्क की रक्षा के लिए अपनी जान गंवा दी। आपका सौभाग्य है कि बलिदानी का जन्म आपके गांव में हुआ था। अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनके परिवार की देखभाल करें। उन्हें किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पाए।

इसके पहले विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी ने डिप्टी सीएम को बुके भेंटकर उनका स्वागत किया। डिप्टी सीएम के दौरे को लेकर जिला अस्पताल का दृश्य बदला हुआ नजर आया। परिसर में साफ-सफाई के साथ ही अन्य इंतजाम किए गए।

# नोएडा के बिल्डर कात्याल पर मेहरबान क्यों हैं नंदी महराज!

## फ्लैट खरीदारों को लगातार टरका रहे हैं मंत्री जी

- » नोएडा के फ्लैट खरीदारों के एसोसिएशन के पदाधिकारी लखनऊ में कर रहे हैं कैंप
- » पिछले तीन साल से बिल्डर की मनमानी का कर रहे विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



### खरीदारों पर बनाया जा रहा रजिस्ट्री का दबाव, कल का इंतजार

तीन साल बीतने को है पर प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा है। बावजूद इसके खरीदारों पर रजिस्ट्री का दबाव बनाया जा रहा है। बीटल लैप फ्लैट बायर्स एसोसिएशन के महासचिव रामेश्वर डी गुप्ता अपना दर्द बयां करते हुए कहते हैं कि 22 अगस्त को औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी से मिलने प्रतिनिधिमंडल उनके कार्यालय पहुंचा था लेकिन मंत्री जी से मुलाकात नहीं हो पाई। जिस पर लिखित मे शिकायती पत्र उनके कार्यालय में दे दिया गया था। मंत्री ने एक सप्ताह बाद आवास पर मिलने के लिए बुलाया था। 29 अगस्त को जब पहुंचे तो मुलाकात नहीं हो पाई। बताया गया कि मंत्री जी शहर से बाहर है। फिर समय मांगा गया तो 5 सितंबर का समय दिया गया। सैकड़ों लोगों की समस्या का हवाला देकर प्रार्थना के आधार पर मिलने का समय 2 सितंबर तय किया गया है। अब कल का इंतजार है। मंत्रीजी से उम्मीद है कि वे एडा के भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसेंगे और बिल्डर की मनमानियां से उन सभी को छुटकारा दिलाएंगे।

### नियमों के विपरीत कर रहे रजिस्ट्री

एसोसिएशन के पदाधिकारी बताते हैं कि 25 अगस्त को रेरा के चेयरमैन राजीव कुमार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी समस्याएं उनके सामने रखी। रेरा कानून का बिल्डर हनी कात्याल लगातार उल्लंघन कर रहा है। नियम के विपरीत कारपेट एरिया की जगह सुपर एरिया के आधार पर बिल्डर रजिस्ट्री कर रहा है। जबकि कॉमन फैसिलिटी वाले समेट सुपर एरिया और कारपेट एरिया के बीच में 20 फीसदी का अंतर तो हो सकता है लेकिन 90 फीसदी का नहीं। प्राधिकरण के भ्रष्ट अधिकारी और कर्मचारी कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी कर दे रहे हैं जबकि मल्टीस्टोरी प्रोजेक्ट के लिए जो कॉमन फैसिलिटी होनी चाहिए उसका कहीं अता पता तक नहीं है। जैसे कूड़ा प्रबंधन, बिजली, पावर बैकअप, बिजली सब स्टेशन, लिफ्ट, पूल आदि। अपनी कलम बचाते हुए अफसर कुछ शर्तों के साथ कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी कर देते हैं लेकिन बिल्डर उन शर्तों को पूरा किए बिना रजिस्ट्री का दबाव बना रहा है। इस तरह से फाइनल पेमेंट लेने के बाद बिल्डर कई लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित किए हुए है। जबकि अधिभोग प्रमाण पत्र जारी होने के बाद फाइनल पेमेंट किए जाने का प्रावधान है।

लखनऊ। नोएडा का चर्चित बिल्डर हनी कात्याल कितना रसूखदार है इसका अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि फ्लैट खरीदारों के एसोसिएशन के पदाधिकारी लगातार प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की चौखट पर गुहार लगा रहे हैं लेकिन उनको मंत्रीजी मिलने का समय तक नहीं दिया जा रहा है। इसे मंत्रीजी का व्यस्त शेड्यूल कहें या फिर उनका बिल्डर से दोस्ताना।

पिछले 3 साल से बिल्डर की मनमानियों का विरोध कर रहे फ्लैट खरीदारों की मंत्री जी के अधीन प्राधिकरण के अफसरों ने एक न सुनी। सभी ने अपनी समस्याओं को लेकर मजबूरन एक एसोसिएशन खड़ा कर दिया और उसके बैनर तले अपनी लड़ाई को तेज किया। सुनवाई की जितनी भी चौखट हैं, न्यायालय को छोड़कर, सभी रास्ता अपना लिया पर उनकी कोई सुनवाई अब तक नहीं हुई। फ्लैट खरीदारों की नाराजगी इस बात पर भी ज्यादा है कि यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी,(एडा) के अधिकारी लगातार बिल्डर से मिलीभगत कर उनके हितों की अनदेखी कर रहे है। इसके बाद भी मंत्री स्तर पर तत्काल कोई दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए। 5 सितंबर को एक बार फिर मंत्री ने मिलने का समय दिया है। मंत्री से मुलाकात के बाद भी अगर कोई ठोस आश्वासन न मिला तो मुख्यमंत्री दरबार में मामले को उठाने की तैयारी है।

गौरतलब रहे कि 4पीएम ने 23 अगस्त के अंक में ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट सिटी कॉम्प्लेक्स के विवादित बीटल लैब ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के बारे में छापा था। सिलसिलेवार तरीके से बताया था किस तरह से बिल्डर मनमानी कर रहा है और 425 फ्लैट खरीदारों को हर कदम पर धोखा दे रहा है। इस धोखे में एडा के भ्रष्ट अधिकारी भी शामिल है। जो प्रोजेक्ट 21 अप्रैल 2014 में शुरू हुआ और यूपी रेरा की साइट पर उसकी डेड लाइन 31 दिसंबर 2019 दर्ज है।

# लखनऊ में मुख्तार अंसारी के गुर्गों पर एफआईआर

- » हजरतगंज में करोड़ों की जमीन पर बिल्डर को करा दिया कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में माफिया मुख्तार अंसारी के गुर्गों ने करोड़ों की जमीन कब्जा कर ली। हजरतगंज पुलिस पीड़ित की शिकायत पर मुख्तार के गुर्गे शकील हैदर और बिल्डर यजदान समेत 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश कर रही है। प्राग नारायण रोड अमरदीप सिंह ने बताया कि वह अपने मकान और जमीन को बेचना चाहते थे।

2009 में शकील हैदर और उसके भाई रईस हैदर ने रजिस्टर्ड एग्रीमेंट किया। बाद




में पता चला कि यह लोग मुख्तार अंसारी के गुर्गे है। इन लोगों ने धोखाधड़ी की नियत से तीन महीने बाद एग्रीमेंट समाप्त होते ही रुपए वापस मांगने लगे। इसके बाद एक दिन शकील हैदर और रईस हैदर एआर बिल्डर एंड याजदान इंफोकाम नाम के बिल्डर से एग्रीमेंट करने को कहा। विरोध पर शकील और रईस ने फर्जी मुकदमा दर्ज कर जेल भेजवाने की धमकी दी। उसके बाद हजरतगंज थाने में फर्जी मुकदमा दर्ज करवा दिया। अमरदीप ने बताया कि शकील के लगातार जेल भिजवाने और जान से मारने की धमकी के डर से एआर बिल्डर एंड याजदान इंफोकाम को 18 अक्टूबर 2016 को एग्रीमेंट करा दिया। एग्रीमेंट होते ही इन लोगों ने मकान खाली करा लिया, जिसे पुलिस से शिकायत पर खाली करवाया। उसके बाद फिर 11वें दिन दोबारा घर में कब्जा कर लिया गया। साथ ही सिक्योरिटी के नाम पर चेक दस्तखत करा लिए। उन्हीं चेक पर 4.50 करोड़ रुपये भरकर बैंक में लगा दी। चेक बाउंस होने पर एनआई एक्ट का केस दर्ज कराया।

# ओबीसी समाज के हितों का प्रतिनिधित्व करेगा यदुकुल पुनर्जागरण मिशन : शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में कहा कि हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। इसके लिए यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के तहत एकजुट हुए हैं। आज समाज में अगड़े पिछड़े सभी परेशान हैं। उन्होंने साफ किया कि संगठन किसी की खिलाफत के लिए नहीं बना रहे हैं।

यह लोगों के अधिकारों के लिए लड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम अहीर रेजिमेंट के गठन की मांग करेंगे। प्रसपा की बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक कार्यकारणी गठित करेंगे। वहीं, यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के अध्यक्ष डीपी यादव का कहना है कि हम लोग यदुकुल समाज के लिए नए संगठन की घोषणा कर रहे हैं, जिसका नाम यदुकुल पुनर्जागरण मिशन होगा। यह संगठन सारे ओबीसी समाज के लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करेगा। यह सिर्फ यादव समाज के लिए नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसढ़, झारखंड, बिहार राज्यों के लिए बना है।

फोटो: सुमित कुमार

**बारिश** | राजधानी में गुरुवार को जोरदार बारिश हुई। सड़कों पर लोग बारिश से अपना बचाव करते दिखे।

# दो से सात सितंबर तक होगा निशुल्क राशन का वितरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विक्रेताओं को खाद्यान्न व अन्य सामग्री का वितरण न होने के कारण अब लाभार्थियों को भी इसका वितरण दो से सात सितंबर तक किया जाएगा। अपर खाद्य आयुक्त अनिल कुमार दुबे ने बताया कि जून के सापेक्ष प्रदेश के



अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को नमक, रिफाइंड सोयाबीन तेल व साबुत चना का निशुल्क वितरण और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जुलाई के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का वितरण 31 अगस्त तक होना था। इसे अब सात सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से कोरोना काल के दौरान शुरू हुए राशन वितरण में प्रदेश ने अप्रैल 2020 से मार्च 2022 तक कुल 200 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न वितरित कर रिकॉर्ड कायम किया है। प्रदेश सरकार ने 80 हजार कोटेदारों के माध्यम से राशन वितरण हर गरीब व बेसहारा लोगों तक राशन पहुंचाने का काम किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।